



# बिहार गजट

## असाधारण अंक

### बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

9 भाद्र 1944 (श10)

(सं0 पटना 647) पटना, बुधवार, 31 अगस्त 2022

सं० 2/आरोप-01/03/2015-सा0प्र0/11610  
सामान्य प्रशासन विभाग

संकल्प

12 जुलाई 2022

श्री धर्मे श कुमार सिंह (बि0प्र0से0), कोटि क्रमांक 1037/11, तत्कालीन अंचल अधिकारी-सह-प्रखंड विकास पदाधिकारी, विक्रमगंज, रोहतास के विरुद्ध राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक 395 दिनांक 01.04.2015 द्वारा आरोप-पत्र प्रपत्र 'क' उपलब्ध कराया गया, जिसमें श्री सिंह के विरुद्ध आरोप है कि :-

**कंडिका-(क) :-** श्री नथुनी सिंह, पिता-स्व0 रामराज सिंह, ग्राम-धारुपुर, थाना-बिक्रमगंज के द्वारा अपनी चाची (स्व0 कलावती कुंवर, मृत्यु तिथि 18.01.2009) का मृत्यु प्रमाण-पत्र निर्गत करने संबंधी समर्पित आवेदन को अनदेखा कर श्री हरिद्वार सिंह के मेल में आकर कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत, बिक्रमगंज की हैसियत से मृतिका स्व0 कलावती कुंवर का दिनांक 21.02.2009 की तिथि में गलत मृत्यु प्रमाण-पत्र निर्गत कर दिया।

**कंडिका-(ख) :-** उक्त गलत निर्गत मृत्यु प्रमाण-पत्र का लाभ उठाकर श्री हरिद्वार सिंह के द्वारा स्व0 कलावती कुंवर के स्थान पर किसी दूसरी महिला को खड़ाकर उनकी सम्पत्ति को अपने नाम से अवर निबंधन कार्यालय, बिक्रमगंज में दिनांक 17.02.2009 को निबंधन करा लिया गया।

**कंडिका-(ग) :-** श्री हरिद्वार सिंह द्वारा गलत तरीके से निबंधन करायी/खरीदी गयी स्व0 कलावती कुंवर की भूमि का आरोपी पदाधिकारी द्वारा ही अंचलाधिकारी, बिक्रमगंज की हैसियत से नामांतरण कर दिया गया।

अनुशासनिक प्राधिकार के निर्णयानुसार श्री धर्मे श कुमार सिंह (बि0प्र0से0), कोटि क्रमांक 1037/11, तत्कालीन अंचल अधिकारी-सह-प्रखंड विकास पदाधिकारी, विक्रमगंज, रोहतास के विरुद्ध अनुलग्नक अनुबंध में अंतर्विष्ट आरोपों की जाँच विहित रीति से करने हेतु बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली के प्रावधानों के तहत विभागीय संकल्प ज्ञापांक 11623 दिनांक 29.08.2016 द्वारा विभागीय कार्यवाही संचालित की गयी, जिसमें आयुक्त, पटना प्रमंडल, पटना को संचालन पदाधिकारी नियुक्त किया गया।

संचालन पदाधिकारी, संयुक्त आयुक्त, विभागीय जाँच, पटना प्रमंडल, पटना के पत्रांक 142/स्था0 दिनांक 06.02.2020 द्वारा श्री कुमार के विरुद्ध संचालित विभागीय कार्यवाही का जाँच प्रतिवेदन समर्पित किया गया, जिसमें कुल-03 आरोपों में आरोप-(क) अंशतः प्रमाणित है, आरोप-(ख) प्रमाणित नहीं है एवं आरोप-(ग) प्रमाणित है प्रतिवेदित किया गया है।

प्रमाणित/अंशतः प्रमाणित आरोपों पर श्री सिंह से लिखित अभिकथन की मांग की गयी। प्रतिवेदित आरोप, संचालन पदाधिकारी का मतव्य एवं श्री सिंह के लिखित अभिकथन की समीक्षा की गयी एवं समीक्षोपरांत अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा निम्नलिखित निर्णय लिया गया :-

- अंशतः प्रमाणित आरोप कंडिका-क के आलोक में श्री सिंह के स्पष्टीकरण को स्वीकार किया गया।
- कंडिका-ग में उल्लिखित आरोप की विस्तृत एवं साक्ष्यों के आधार पर बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम-18(1) के तहत अग्रेतर जाँच हेतु विभागीय पत्रांक 1663 दिनांक 05.02.2021 द्वारा संचालन पदाधिकारी को वापस किया गया।

संचालन पदाधिकारी द्वारा अग्रेतर जाँचोपरांत जाँच प्रतिवेदन समर्पित किया गया। उल्लेखनीय है कि संचालन पदाधिकारी द्वारा अग्रेतर जाँचोपरांत कंडिका-ग के आरोप के संबंध में निम्नलिखित मंतव्य उपलब्ध कराया गया :-

संचालन पदाधिकारी द्वारा प्रतिवेदित किया गया है कि काफी खोजबीन के बाद दाखिल खारिज वाद संख्या 1751/08-09 का मूल अभिलेख अंचल कार्यालय, बिक्रमगंज में प्राप्त नहीं हो पा रहा है, जिसके कारण यह जाँच किया जाना संभव नहीं हो सका है कि आरोपित पदाधिकारी द्वारा विधिवत् प्रक्रिया का पालन कर नामांतरण की कार्रवाई की गयी थी अथवा नहीं ? किन्तु उनके द्वारा आरोपित पदाधिकारी के अनुसार विधिवत् प्रक्रिया का पालन किये जाने के आलोक में अभिलेख की अनुपलब्धता की स्थिति में आरोप प्रमाणित नहीं होता है प्रतिवेदित किया गया है।

वर्णित तथ्यों के आलोक में अभिलेखों की पुनः खोजबीन कराकर साक्ष्यों एवं नगर पंचायत बिक्रमगंज से, मृतिका के मृत्यु तिथि के निर्धारण संबंधित प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम-18(1) के तहत मूल अभिलेख वापस करते हुए विभागीय पत्रांक 10369 दिनांक 10.09.2021 द्वारा अग्रेतर जाँच कर जाँच प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया।

उक्त के आलोक में आयुक्त कार्यालय, पटना प्रमंडल, पटना के पत्रांक 583 दिनांक 06.06.2022 द्वारा जाँच प्रतिवेदन उपलब्ध कराया गया है। जाँच प्रतिवेदन का मुख्य अंश निम्नवत् है :-

सामान्य प्रशासन विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक 1663 दिनांक 05.02.2021 एवं पत्रांक 10369 दिनांक 10.09.2021 से प्राप्त निदेशानुसार इस मामले में आरोप कंडिका-‘ग’ की पुनः जाँच प्रारम्भ की गई।

आयुक्त कार्यालय, पटना प्रमंडल, पटना के पत्रांक 1132 दिनांक 14.12.2021, पत्रांक 06 दिनांक 04.01.2022, पत्रांक 153 दिनांक 12.02.2022 एवं पत्रांक 234 दिनांक 28.02.2022 द्वारा प्रस्तुतीकरण पदाधिकारी से इस संदर्भ में साक्ष्य सहित स्पष्ट प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया कि “श्री हरिद्वार सिंह द्वारा गलत तरीके से निबंधन करायी/खरीदी गयी स्व0 कलावती कुँवर की भूमि का नामांतरण (दाखिल-खारिज वाद सं0-1751/08-09) की प्रक्रिया को पूर्ण करने के पूर्व आरोपी पदाधिकारी श्री धर्मेश कुमार सिंह द्वारा अंचलाधिकारी, बिक्रमगंज की हैसियत से सभी संबंधी नियमानुकूल प्रक्रियाओं का पालन की गई थी अथवा नहीं।”

तदालोक में प्रस्तुतीकरण पदाधिकारी के द्वारा पत्रांक 154 दिनांक 28.03.2022 के साथ अंचल अधिकारी, बिक्रमगंज का पत्रांक 325 दिनांक 24.03.2022 को संलग्न करते हुए प्रतिवेदन समर्पित किया गया है कि “श्री हरिद्वार सिंह के द्वारा निबंधित दस्तावेज संख्या 242 दिनांक 17.02.2009 के द्वारा मौजा-धारुपुर, थाना नं0-526, खाता नं0-577, रकबा-515/6 डी0 भूमि क्रय की गई थी, जिसका दाखिल खारिज वाद संख्या-1751/08-09 के द्वारा नामांतरण हुआ था। उक्त नामांतरण की प्रक्रिया को पूर्व अंचल अधिकारी, बिक्रमगंज के हैसियत से श्री धर्मेश कुमार सिंह के द्वारा किया गया, जो रैयती भूमि से संबंधित है। अनावार बिहार सरकार/सर्वसाधारण/मठ मंदिर की भूमि नहीं है। उक्त दाखिल खारिज का मूल अभिलेख कार्यालय में उपलब्ध नहीं है। इस संबंध में तत्कालीन कार्यालय कर्मियों को चिन्हित किया गया तो पता चला कि वर्ष 2008-09 में डिग्री सिंह, लिपिक कार्यरत थे और वहीं अभिलेख का प्रभारी थे, जो वर्तमान में सेवानिवृत्त हो चुके हैं तथा उनकी मृत्यु भी दिनांक 13.03.2020 को ही हो गई है।”

उपर्युक्त तथ्यों से स्पष्ट है कि प्रस्तुतीकरण पदाधिकारी के स्तर से दाखिल-खारिज वाद संख्या 1751/2008-09 से संदर्भित अभिलेख उपलब्ध नहीं कराया जा सका और न ही उनके द्वारा आरोपी पदाधिकारी का कथन जिसमें यह उल्लेखित है कि उनके द्वारा समस्त प्रक्रियाओं का पालन करते हुए दाखिल-खारिज वाद संख्या 1751/2008-09 की कार्रवाई की गई थी, का लिखित प्रतिकार ही किया गया है।

उल्लेखनीय है कि आरोपी पदाधिकारी के विरुद्ध गठित आरोप-पत्र के साथ भी इस आरोप (आरोप कंडिका-‘ग’) से संबंधित कोई साक्ष्य संलग्न नहीं किया गया है। अतः आरोप कंडिका-‘ग’ प्रमाणित नहीं होता है।

आरोप-पत्र के आलोक में प्राप्त जाँच प्रतिवेदन की समीक्षा की गयी एवं समीक्षोपरांत पाया गया कि-

- मु0 कलावती कुँवर के गलत मृत्यु प्रमाण-पत्र निर्गत किये जाने का मामला आरोपी पदाधिकारी के संज्ञान में तब आया जब दिनांक 28.04.2009 को श्री नथुनी सिंह के द्वारा कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत, बिक्रमगंज कार्यालय में मु0 कलावती कुँवर के गलत मृत्यु प्रमाण-पत्र निर्गत किये जाने संबंधी आपत्ति आवेदन दिया गया था। जबकि आरोपी पदाधिकारी द्वारा उक्त भूमि का नामांतरण (दाखिल-खारिज) की प्रक्रिया श्री हरिद्वार सिंह के आवेदन पर मु0 कलावती कुँवर के गलत मृत्यु प्रमाण-पत्र निर्गत किये जाने के पूर्व ही दिनांक 13.03.2009 को पूर्ण कर ली गयी थी।
- जाँच के क्रम में आरोप से संबंधित कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं होने के कारण से संचालन पदाधिकारी द्वारा आरोप को अप्रमाणित प्रतिवेदित किया गया है। उल्लेखनीय है कि आरोपी पदाधिकारी के विरुद्ध प्रतिवेदित आरोप-पत्र के साथ (आरोप कंडिका-‘ग’) से संबंधित कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं है।

- अनुशासनिक प्राधिकार के आदेशानुसार असहमति के बिन्दु पर कड़िका-“ग” की अग्रेतर जाँच दो बार कराई गई किंतु दोनों बार साक्ष्य सम्पुष्ट नहीं रहने के आलोक में संचालन पदाधिकारी द्वारा आरोप को अप्रमाणित प्रतिवेदित किया गया है।  
अतः वर्णित तथ्यों के आलोक में श्री धर्मे श कुमार सिंह (बि0प्र0से0), कोटि क्रमांक 1037/11, तत्कालीन अंचल अधिकारी-सह-प्रखंड विकास पदाधिकारी, विक्रमगंज, रोहतास के विरुद्ध संचालित विभागीय कार्यवाही को संचिकास्त करने का निर्णय लिया गया।

अतः श्री धर्मे श कुमार सिंह (बि0प्र0से0), कोटि क्रमांक 1037/11, तत्कालीन अंचल अधिकारी-सह-प्रखंड विकास पदाधिकारी, विक्रमगंज, रोहतास के विरुद्ध संचालित विभागीय कार्यवाही को समाप्त किया जाता है।

आदेश :-आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को बिहार राजपत्र के अगले असाधारण अंक में प्रकाशित किया जाय तथा इसकी प्रति सभी संबंधितों को भेज दी जाय।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,  
शिवमहादेव प्रसाद,  
सरकार के अवर सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,  
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।  
बिहार गजट (असाधारण) 647-571+10-डी0टी0पी0  
Website: <http://egazette.bih.nic.in>